Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

OMR Sheet No. : ....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________

(In words)

J 0 2 5 1 8

PAPER - II
SANSKRIT

Time : 2 hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **16** Number of Questions in this Booklet : **100**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of hundred multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.

   Example : ① ② ● ④ where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry original question booklet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There are no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में सौ बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

   उदाहरण : ① ② ● ④ जबकि (3) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं। यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें। हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका अपने साथ ले जा सकते हैं।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही प्रयोग करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं।**

Downloaded from www.cclchapter.com

SANSKRIT
संस्कृत
PAPER - II
प्रश्नपत्रम् - II

Note : This paper contains **hundred (100)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are **compulsory**.

सूचना : इस प्रश्नपत्र में **सौ (100)** बहु–विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं। **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।

सूचना : अस्मिन् प्रश्नपत्रे **एकं शतं** परिमिताः **(100)** बहु–वैकल्पिकाः प्रश्नाः सन्ति। प्रत्येकम् प्रश्नस्य **अङ्कद्वयं** वर्तते। **सर्वे** प्रश्नाः समाधेयाः।

1. शांखायन – शाखायाः सम्बन्धः वर्तते –

(1) अथर्ववेदेन (2) ऋग्वेदेन (3) सामवेदेन (4) कृष्णयजुर्वेदेन

2. 'द्राह्यायणश्रौतसूत्रम्' कस्य वेदस्य विद्यते ?

(1) अथर्ववेदस्य (2) कृष्णयजुर्वेदस्य (3) ऋग्वेदस्य (4) सामवेदस्य

3. 'एतद्वचो जरितर्मापिमृष्ठा आयत्तेघोषानुत्तरा युगानि' – इति मन्त्रांशो वर्तते –

(1) पुरूरवा – उर्वशीसूक्ते (2) सरमा – पणिसूक्ते

(3) विश्वामित्र – नदीसूक्ते (4) यम – यमीसूक्ते

4. अधस्तनेषु उचितसम्बन्धयुतं विकल्पं चिनुत –

(1) 'यो रध्रस्य चोदिता यः कृशस्य' – इन्द्रदेवता।

(2) 'राजन्तमध्वराणां गोपामृतस्य दीदिवम्' – विष्णुसूक्तम्।

(3) 'विश्वं प्रतीची सप्रथः उदस्थात्' – सवितृसूक्तम्।

(4) 'अहं सुवे पितरमस्य मूर्धन्' – रुद्रदेवता।

5. 'यो वाघते ददाति सूनरं वसु' – अत्र 'वाघते' पदस्य कोऽर्थः –

(1) यज्ञकर्त्रे (2) राज्ञे (3) बाधकाय (4) सूर्याय

6. नामाख्याताभ्यां वियुक्ता अपि उपसर्गाः वाचकाः भवन्तीति कः मन्यते –

(1) वार्ष्यायणिः (2) शाकटायनः (3) गार्ग्यः (4) कौत्सः

Downloaded from www.cclchapter.com

7. वेदेष्वेव प्रयुज्यते प्रत्यय: –

(1) अध्यै (2) तुमुन् (3) क्त्वा (4) क्त

8. 'यस्मान्न ऋते विजयन्ते' – इत्यत्र 'यस्मात्' पदेन क: गृह्यते –

(1) विष्णु: (2) रुद्र: (3) इन्द्र: (4) वरुण:

9. ऋग्वेदस्य कस्मिन् मण्डले 'विश्वामित्रनदीसंवादसूक्तम्' विद्यते –

(1) द्वितीये (2) दशमे (3) तृतीये (4) अष्टमे

10. परिशिष्टभागमतिरिच्य निरुक्ते कति अध्याया: सन्ति –

(1) सप्त (2) द्वादश (3) पञ्च (4) चतुर्दश

11. 'प्रचोदयात्' – इति कस्मिन् लकारे रूपमस्ति –

(1) लिङ् (2) लोट् (3) लृट् (4) लेट्

12. 'स जातो अत्यरिच्यत' – इत्यत्र 'स:' पदेन क: गृह्यते –

(1) इन्द्र: (2) पुरुष: (3) प्रजापति: (4) विष्णु:

13. "Vedic Grammar" – इत्याख्यस्य ग्रन्थस्य प्रणेता वैदेशिको विद्वान् क: –

(1) एच.टी. कोलब्रुक् (2) एफ. मैक्समूलर: (3) ए. मैक्डानल: (4) एच. विल्सन:

14. सामवेदीया: षड्ज–मध्यम–पञ्चमस्वरा: कतमे त्रैस्वर्यस्वरे अन्तर्भवन्ति –

(1) अनुदात्ते (2) स्वरिते (3) प्रचये (4) उदात्ते

15. 'बृहती' – छन्दसि अक्षराणां संख्या विद्यते –

(1) 48 (2) 28 (3) 36 (4) 32

16. दर्शपौर्णमासेष्टियागे अनुयाजानां संख्या विद्यते –

(1) पञ्च (2) त्रय: (3) एकादश (4) अष्ट

Downloaded from www.cclchapter.com

17. 'वृक्षस्य नु ते पुरुहूत वयाः' – इत्यत्र 'नु' विद्यते –

(1) उपमार्थीयः (2) हेत्वपदेशार्थीयः (3) अनुप्रश्नार्थीयः (4) अवकुत्सार्थीयः

18. 'नियतवाचो युक्तयो नियतानुपूर्व्या भवन्ति' – इति कथनं वर्तते –

(1) शाकटायनस्य (2) औदुम्बरायणस्य (3) गार्ग्यस्य (4) कौत्सस्य

19. ऋक्संहितायाः समुपलब्धभाष्येषु प्रथमो भाष्यकारः विद्यते –

(1) सायणः (2) आनन्दतीर्थः (3) स्कन्दस्वामी (4) वेङ्कटमाधवः

20. ऋक्प्रातिशाख्यस्य पटलसंख्या कियती –

(1) 16 (2) 14 (3) 12 (4) 18

21. अथर्ववेदेन सम्बद्धा शिक्षा का वर्तते –

(1) लोमशी शिक्षा (2) माण्डूकी शिक्षा (3) गौतमी शिक्षा (4) केशवी शिक्षा

22. 'शिवसंकल्पसूक्तम्' माध्यन्दिनसंहितायां कस्मिन् अध्याये समुपलभ्यते –

(1) षोडशे (2) चतुस्त्रिंशे (3) एकत्रिंशे (4) चत्वारिंशे

23. भर्तृहरिदिशा को ब्रह्मामृतमश्नुते ?

(1) शब्दप्रवृत्तितत्त्वज्ञः (2) पञ्चविंशतितत्त्वज्ञः

(3) प्रमाणादिषोडशपदार्थनिष्णातः (4) याज्ञिकः

24. परेषामसमाख्येयं मणिरूप्यादिविज्ञानं भर्तृहरिदिशा कस्माज्जायते ?

(1) शाब्दात् (2) अनुमानाद् (3) अभ्यासाद् (4) उपमानात्

25. 'एध' धातोः लुङ्लकारे प्रथमपुरुषबहुवचने कः प्रयोगः ?

(1) ऐधन्त (2) ऐधिष्ट (3) ऐधिषत (4) ऐधत

Downloaded from www.cclchapter.com

26. 'लोटो लङ्वत्' इति सूत्रप्रवृत्तिः कस्मिन् प्रयोगे जाता ?

(1) अभवः (2) भवाम (3) भवेताम् (4) अभविष्यत्

27. 'महद् यशो यस्य सः' इति विग्रहे बहुव्रीहिसमासे कः प्रयोगः ?

(1) महायशः (2) महायशसः (3) महायशाः (4) महायशष्कः

28. 'कुगतिप्रादयः' इति समासविधायकसूत्रस्य किमुदाहरणम् नास्ति ?

(1) पटपटाकृत्य (2) कुम्भकारः (3) सुपुरुषः (4) हस्तेकृत्य

29. 'प्रगृह्यम्' इत्यत्र कः कृत्यप्रत्ययः ?

(1) ण्यत् (2) यत् (3) क्यप् (4) तव्यत्

30. 'विद्वांसः सन्ति अस्मिन्' इति विग्रहे को मत्वर्थीयः प्रयोगः ?

(1) विद्वद्वान् (2) विदुष्मान् (3) विद्वत्वान् (4) विद्वन्मान्

31. या स्वयमेवाध्यापिका सा किमुच्यते ?

(1) उपाध्यायानी (2) उपाध्याया (3) आचार्यानी (4) आचार्याणी

32. 'वृत्तिसर्गायतनेषु क्रमः' इत्यात्मनेपदविधायकसूत्रस्य सर्गार्थक – 'क्रम्' धातोरुदाहरणं चिनुत।

(1) अध्ययनाय क्रमते (2) ऋचि क्रमते बुद्धिः

(3) क्रमन्तेऽस्मिन् शास्त्राणि (4) आक्रमते सूर्यः

33. 'बोधयति पदम्' इत्यत्र परस्मैपदविधायकं किमस्ति पाणिनिसूत्रम् ?

(1) विभाषाऽकर्मकात् (2) निगरणचलनार्थेभ्यश्च

(3) बुध-युध-नश-जनेङ्-प्रु-द्रु-स्रुभ्यो णेः (4) अणावकर्मकाच्चित्तवत्कर्तृकात्

Downloaded from www.cclchapter.com

34. अधोलिखितानां केन सह कस्य सम्बन्ध: ?

इति समीचीनां तालिकां चिनुत।

(a)	अपवर्गे तृतीया	(i)	ओदनं भुञ्जानो विषं भुङ्क्ते।
(b)	तथायुक्तं चाऽनीप्सितम्	(ii)	प्रद्युम्न: कृष्णात् प्रति।
(c)	धारेरुत्तमर्ण:	(iii)	क्रोशेन अनुवाकोऽधीत:।
(d)	प्रतिनिधि-प्रतिदाने च यस्मात्	(iv)	भक्ताय धारयति मोक्षं हरि:।

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(2)	(iii)	(ii)	(iv)	(i)
(3)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(4)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)

35. ''पराजेरसोढ:'' इत्यनेन सूत्रेण कतमं कारकं भवति ?

(1) अधिकरणम् (2) सम्प्रदानम् (3) अपादानम् (4) करणम्

36. ''प्रातिपदिकम्'' इति संज्ञा केन सूत्रेण विधीयते ?

(1) प्रातिपदिकार्थलिङ्गपरिमाणवचनमात्रे प्रथमा।

(2) प्रातिपदिकान्तनुम्विभक्तिषु च।

(3) ङ्याप्प्रातिपदिकात्।

(4) अर्थवदधातुरप्रत्यय: प्रातिपदिकम्।

37. निम्नाङ्कितेषु 'प्रगृह्यम्' इति संज्ञाविधायकं सूत्रं किमस्ति ?

(1) ओत् (2) तरप्तमपौ घ: (3) तृतीयासमासे (4) आद्यन्तवदेकस्मिन्

38. 'ब्राह्मणेनावश्यं शब्दा ज्ञेया:' कथनमिदं पतञ्जलिना कस्य व्याकरणप्रयोजनस्य विषये कृतम् ?

(1) रक्षाविषये (2) ऊहविषये (3) आगमविषये (4) लघुविषये

39. पतञ्जलिमतानुसारं शब्द: क: ?

(1) अर्थरूपम् (2) यद् इङ्गितं चेष्टितम्

(3) यद् भिन्नेष्वभिन्नं, छिन्नेष्वच्छिनम् (4) प्रतीतपदार्थको लोके ध्वनि:

Downloaded from www.cclchapter.com

40. पाणिनीयशिक्षानुसारं स्वराणां संख्या का ?

(1) विंशतिः (2) एकविंशतिः (3) अष्टादश (4) पञ्चविंशतिः

41. 'समीकरणम्' कस्य दिशा वर्तते ?

(1) ध्वनिपरिवर्तनस्य (2) रूपपरिवर्तनस्य (3) अर्थपरिवर्तनस्य (4) वाक्यपरिवर्तनस्य

42. हिब्रू-भाषा कस्य भाषापरिवारस्य भाषाऽस्ति ?

(1) चीनीपरिवारस्य (2) भारोपीयपरिवारस्य (3) सूडानीपरिवारस्य (4) सामी-हामीपरिवारस्य

43. संस्कृतभाषायाः यूरोपीयभाषाभिः सम्बन्धः सर्वप्रथमं केनोद्घाटितः ?

(1) मैक्समूलरमहोदयेन (2) विन्टरनित्ज़ महोदयेन

(3) सर-विलियम-जोन्स महोदयेन (4) वेबरमहोदयेन

44. बन्तूपरिवारः कस्य खण्डस्य भाषापरिवारोऽस्ति ?

(1) यूरेशियाखण्डस्य (2) अफ्रीकाखण्डस्य

(3) प्रशान्तमहासागरीयखण्डस्य (4) अमेरिकाखण्डस्य

45. अर्थसङ्ग्रहे प्रत्ययस्य लिङंशेन कीदृशी भावना प्रोक्ता ?

(1) शाब्दी (2) आर्थी (3) शाब्दी आर्थी च (4) स्वर्गभावना

46. अर्थसङ्ग्रहानुसारं 'शब्दसामर्थ्यम्' इत्यनेन कतमं प्रमाणं लक्षितम् ?

(1) श्रुतिः (2) प्रकरणम् (3) लिङ्गम् (4) वाक्यम्

47. तर्कसङ्ग्रहदीपिकानुसारं स्पर्शानुमेयः कः पदार्थः ?

(1) आकाशम् (2) मनः (3) आत्मा (4) वायुः

48. तर्कसङ्ग्रहानुसारम् आत्मनो विशेषगुणः कः ?

(1) वेगसंस्कारः (2) स्थितिस्थापकसंस्कारः (3) प्रयत्नः (4) शब्दः

Downloaded from www.cclchapter.com

49. तर्कभाषानुसारम् आत्मा कीदृशः ?

(1) सर्वस्मिन् एकोऽणुश्च
(2) विभुरनित्यश्च
(3) देहेन्द्रियाद्यनतिरिक्तः
(4) प्रतिशरीरं भिन्नो विभुर्नित्यश्च

50. साध्यशून्यो यत्र पक्षः सः कीदृशो हेत्वाभासः ?

(1) बाधः
(2) आश्रयासिद्धः
(3) असाधारणोऽनैकान्तिकः
(4) विरुद्धः

51. तर्कभाषारीत्या समवायस्य प्रत्यक्षग्राह्यत्वे इन्द्रियार्थसन्निकर्षः कः ?

(1) संयोगः
(2) संयुक्तसमवायः
(3) विशेषण-विशेष्यभावः
(4) संयुक्तसमवेतसमवायः

52. वेदान्तसारानुसारं 'सगुणब्रह्मविषयमानसव्यापाररूपाणि' कर्माणि निम्नलिखितेषु कानि भवन्ति ?

(1) काम्यकर्माणि (2) नित्यकर्माणि (3) उपासनाकर्माणि (4) साध्यकर्माणि

53. 'जीवब्रह्मैक्यं शुद्धचैतन्यं प्रमेयम्' इत्ययम् अनुबन्धः कतमः ?

(1) अधिकारी (2) विषयः (3) सम्बन्धः (4) प्रयोजनम्

54. समष्ट्यज्ञानोपहितं चैतन्यं किं भवति ?

(1) जीवः (2) ईश्वरः (3) ब्रह्म (4) प्राज्ञः

55. 'अतत्त्वतोऽन्यथाप्रथा' किमुच्यते ?

(1) विकारः (2) विवर्तः (3) शब्दः (4) अनुपहितचैतन्यम्

56. 'ब्रह्मसूत्रम्' इत्यस्य ग्रन्थस्य रचयिता कोऽस्ति ?

(1) बादरायणः (2) पाराशरः (3) शङ्कराचार्यः (4) जैमिनिः

57. 'शारीरकम्' इति नाम्ना किं भाष्यं प्रसिद्धमस्ति ?

(1) सांख्यकारिकाभाष्यम्
(2) मीमांसाभाष्यम्
(3) ब्रह्मसूत्रभाष्यम्
(4) उपनिषद्भाष्यम्

Downloaded from www.cclchapter.com

58. 'दृष्टवदानुश्रविक:' इत्यस्मिन् सांख्यकारिकाप्रयोगे 'आनुश्रविक:' इत्यस्य पदस्य कोऽर्थ: ?

(1) श्रुति: (2) स्मृति: (3) वेदाङ्गम् (4) पुराणम्

59. अव्यक्तं कीदृशं भवति ?

(1) सक्रियम् (2) निष्क्रियम् (3) अश्रितम् (4) सावयवम्

60. व्यक्तस्य च प्रधानस्य च क: समानधर्म: ?

(1) त्रिगुणत्वम् (2) सक्रियत्वम् (3) हेतुमत्त्वम् (4) लिङ्गत्वम्

61. सांख्यदर्शनानुसारं "त्रैगुण्यविपर्ययात्" किं सिध्यति ?

(1) अव्यक्तस्य नित्यत्वम् (2) पुरुषबहुत्वम्

(3) व्यक्तस्य त्रिगुणात्मकत्वम् (4) अव्यक्तस्य कारणत्वम्

62. अधस्तनानां केन सह कस्य सम्बन्ध: ?

समीचीनां तालिकां चिनुत –

(a) मिथ्याज्ञानमतद्रूपप्रतिष्ठम् (i) स्वाध्यायात्

(b) इष्टदेवतासम्प्रयोग: (ii) यमा:

(c) अनुभूतविषयासम्प्रमोष: (iii) विपर्यय:

(d) सार्वभौमा महाव्रतम् (iv) स्मृति:

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(2)	(i)	(iii)	(ii)	(iv)
(3)	(ii)	(i)	(iii)	(iv)
(4)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)

63. "यथा मधुकरराजं मक्षिका उत्पतन्तमनूत्पतन्ति, निविशमानमनुनिविशन्ते तथेन्द्रियाणि चित्तनिरोधे निरुद्धानीत्येष: .... ।" एषा व्याख्या कस्य योगाङ्गस्य, व्यासभाष्यानुसारेण ?

(1) प्रत्याहारस्य (2) धारणाया: (3) ध्यानस्य (4) ब्रह्मचर्यस्य

Downloaded from www.cclchapter.com

64. योगदर्शनस्य व्यासभाष्यानुसारेण चित्तभूमीनां समुचितः क्रमोऽस्ति –

(1) क्षिप्तम्, विक्षिप्तम्, मूढम्, एकाग्रम्, निरुद्धम्।

(2) क्षिप्तम्, मूढम्, विक्षिप्तम्, एकाग्रम्, निरुद्धम्।

(3) विक्षिप्तम्, मूढम्, एकाग्रम्, क्षिप्तम्, निरुद्धम्।

(4) निरुद्धम्, मूढम्, विक्षिप्तम्, क्षिप्तम्, एकाग्रम्।

65. जैनदर्शनानुसारेण निम्नाङ्कितस्य सप्तभङ्गिन्यायस्य समुचितः क्रमः कोऽस्ति ?

(1) स्यादस्ति च नास्ति च, स्याद्वक्तव्यः, स्यादस्ति, स्यान्नास्ति, स्यादस्ति चावक्तव्यः, स्यान्नास्ति चावक्तव्यः, स्यादस्ति च नास्ति चावक्तव्यः।

(2) स्यादस्ति, स्यान्नास्ति, स्यादस्ति च नास्ति च, स्याद्वक्तव्यः, स्यादस्ति चावक्तव्यः, स्यान्नास्ति चावक्तव्यः, स्यादस्ति च नास्ति चावक्तव्यः।

(3) स्यादस्ति च नास्ति चावक्तव्यः, स्यान्नास्ति चावक्तव्यः, स्यादस्ति चावक्तव्यः, स्याद्वक्तव्यः, स्यादस्ति च नास्ति च, स्यान्नास्ति, स्यादस्ति।

(4) स्यादस्ति, स्याद्वक्तव्यः, स्यादस्ति चावक्तव्यः, स्यान्नास्ति, स्यादस्ति च नास्ति च, स्यान्नास्ति चावक्तव्यः, स्यादस्ति च नास्ति चावक्तव्यः।

66. अधोलिखितानां केन सह कस्य सम्बन्धः ?

समीचीनां तालिकां चिनुत।

(a)	माध्यमिकाः	(i)	बाह्यार्थानुमेयत्वम्
(b)	योगाचाराः	(ii)	सर्वशून्यत्वम्
(c)	सौत्रान्तिकाः	(iii)	बाह्यार्थप्रत्यक्षत्वम्
(d)	वैभाषिकाः	(iv)	बाह्यार्थशून्यत्वम्

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(2)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(3)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(4)	(i)	(iii)	(iv)	(ii)

Downloaded from www.cclchapter.com

67. अधस्तनयुग्मानां समीचीनां तालिकां चिनुत –

(a)	हर्षचरितम्	(i)	शूद्रक:
(b)	मुद्राराक्षसम्	(ii)	दण्डी
(c)	दशकुमारचरितम्	(iii)	विशाखदत्त:
(d)	मृच्छकटिकम्	(iv)	बाणभट्ट:

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iv)	(iii)	(ii)	(i)
(2)	(iii)	(ii)	(i)	(iv)
(3)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)
(4)	(i)	(ii)	(iv)	(iii)

68. अभिज्ञानशाकुन्तले शकुन्तलाया: प्रतिकूलदैवशमनार्थं कण्व: कुत्र गत: ?

(1) काशीतीर्थम् (2) प्रयागतीर्थम् (3) काञ्चीतीर्थम् (4) सोमतीर्थम्

69. ''उपपन्ना हि दारेषु प्रभुता सर्वतोमुखी'' – अभिज्ञानशाकुन्तले इयमुक्तिर्भवति –

(1) मारीचस्य (2) शारद्वतस्य (3) कण्वस्य (4) शार्ङ्गरवस्य

70. मेघदूते अस्या: नद्या: उल्लेखो नास्ति –

(1) तुङ्गभद्रा (2) रेवा (3) गन्धवती (4) गम्भीरा

71. ''सुलभेष्वर्थलाभेषु परसंवेदने जन:।
क इदं दुष्करं कुर्यादिदानीं शिविना विना।''
एषा उक्ति: कं लक्षयति ?

(1) चाणक्यम् (2) राक्षसम् (3) चन्दनदासम् (4) भागुरायणम्

72. मृच्छकटिके विदूषकस्य नाम भवति –

(1) आर्यक: (2) मैत्रेय: (3) शर्विलक: (4) संस्थानक:

Downloaded from www.cclchapter.com

73. ''निपीय यस्य क्षितिरक्षिण: कथां। तथाद्रियन्ते न बुधा: सुधामपि।।'' – इति कस्य कथा अत्र उल्लिखिता ?

(1) दुष्यन्तस्य (2) रघो: (3) रामचन्द्रस्य (4) नलस्य

74. किरातार्जुनीयस्य प्रधानो रसोऽस्ति –

(1) शृङ्गार: (2) वीर: (3) शान्त: (4) अद्भुत:

75. वेणीसंहारे दुर्योधनस्य कञ्चुकी भवति –

(1) विनयन्धर: (2) जयन्धर: (3) रुधिरप्रिय: (4) सुन्दरक:

76. ''अर्पणं स्वस्य वाक्यार्थे परस्यान्वयसिद्धये।

उपलक्षणहेतुत्वादेषा .... ।।''

– साहित्यदर्पणानुसारत: रिक्तस्थानं पूरयत।

(1) लक्षण-लक्षणा (2) उपादानलक्षणा (3) सारोपा लक्षणा (4) साध्यवसाना लक्षणा

77. अधस्तनयुग्मानां समीचीनतालिकां चिनुत –

(a)	आशङ्कसे यदग्निं तदिदं स्पर्शक्षमं रत्नम्।	(i)	रत्नावली
(b)	अल्पक्लेशं मरणं दारिद्र्य-मनन्तकं दु:खम्।	(ii)	मुद्राराक्षसम्
(c)	गजेन्द्राश्च नरेन्द्राश्च प्राय: सीदन्ति दु:खिता:।	(iii)	अभिज्ञानशाकुन्तलम्
(d)	आनीय झटिति घटयति विधिरभिमतमभिमुखीभूत:।	(iv)	मृच्छकटिकम्

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(ii)	(iii)	(iv)	(i)
(2)	(iii)	(iv)	(ii)	(i)
(3)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)
(4)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)

Downloaded from www.cclchapter.com

78. ''लोके हि लोहेभ्य: कठिनतरा: खलु स्नेहमया: बन्धनपाशा:'' – इति हर्षचरिते कस्य मनसि समजायत ?

(1) राज्यवर्धनस्य (2) प्रभाकरवर्धनस्य (3) कुरङ्गकस्य (4) हर्षवर्धनस्य

79. ''श्रीहीर: सुषुवे जितेन्द्रियचयं मामल्लदेवी च यम्'' – इति वार्त्ता केन सम्बद्धा ?

(1) माघेन (2) भारविणा (3) श्रीहर्षेण (4) कालिदासेन

80. ''स बाल आसीद् वपुषा चतुर्भुजो मुखेन पूर्णेन्दुनिभस्त्रिलोचन: ।'' – इति शिशुपालवधस्य पद्यांश: केन सम्बद्ध: ?

(1) शिशुपालेन (2) श्रीकृष्णेन (3) नारदेन (4) रावणेन

81. ''वैदेहिबन्धोर्हृदयं विदद्रे'' – रघुवंशस्य अस्मिन् पद्यांशे वैदेहिबन्धु: भवति –

(1) लक्ष्मण: (2) भरत: (3) राम: (4) रघु:

82. काव्यमीमांसोक्तकथानुसारं पुरा पुत्रीयन्ती सरस्वती कुत्र तपस्यामास ?

(1) विन्ध्यगिरौ (2) तुषारगिरौ (3) सह्यगिरौ (4) मेरुगिरौ

83. जगन्नाथमते काव्यं कतिविधं भवति –

(1) द्विविधम् (2) त्रिविधम् (3) चतुर्विधम् (4) पञ्चविधम्

84. ''त्रय: समुदिता:, न तु व्यस्ता:'' – इति काव्यप्रकाशे प्रथमे उल्लासे किम् अधिकृत्य उल्लिखितम् ?

(1) काव्यलक्षणम् (2) काव्यभेदम् (3) काव्य–हेतुम् (4) काव्यफलम्

85. काव्यप्रकाशे उपमानोपमेययो: अभेदे अयमलङ्कार: भवति –

(1) रूपकम् (2) उपमा (3) उत्प्रेक्षा (4) श्लेष:

Downloaded from www.cclchapter.com

86. आसु का नाट्यवृत्तिर्न भवति –

(1) अभिधा (2) आरभटी (3) सात्त्वती (4) भारती

87. ''भम धम्मिअ – '' इत्यादिश्लोक: ध्वन्यालोके प्रथमे उद्द्योते अस्य उदाहरणं भवति –

(1) वाच्ये प्रतिषेधे विधिरूपस्य

(2) वाच्ये विधिरूपे प्रतिषेधरूपस्य

(3) वाच्ये विधिरूपेऽनुभयरूपस्य

(4) वाच्ये प्रतिषेधेऽनुभयरूपस्य

88. दशरूपकत: रिक्तस्थानं पूरयत –

''आनन्दनिस्यन्दिषु रूपकेषु व्युत्पत्तिमात्रं फलमल्पबुद्धि:।

योऽपीतिहासादिवदाह साधुस्तस्मै नम: ....।।''

(1) काव्यपराङ्मुखाय (2) नाट्यपराङ्मुखाय

(3) शास्त्रपराङ्मुखाय (4) स्वादुपराङ्मुखाय

89. ''कटुकौषधवच्छास्त्रमविद्याव्याधिनाशनम्।'– इत्युक्ति: एषु कस्मिन् अलङ्कारग्रन्थेऽस्ति –

(1) साहित्यदर्पणे (2) वक्रोक्तिजीविते (3) रसगङ्गाधरे (4) काव्यप्रकाशे

90. एषु किं काण्डं रामायणे नास्ति ?

(1) किष्किन्ध्याकाण्डम् (2) सीताकाण्डम् (3) बालकाण्डम् (4) युद्धकाण्डम्

91. अस्य महापुराणेषु गणनं नास्ति –

(1) पद्मपुराणस्य (2) ब्रह्मपुराणस्य (3) विष्णुपुराणस्य (4) आदित्यपुराणस्य

92. एषु किम् उपपुराणं न भवति ?

(1) कूर्मपुराणम् (2) साम्बपुराणम् (3) नृसिंहपुराणम् (4) एकाम्रपुराणम्

93. एषु किं पर्व महाभारते नास्ति –

(1) मौसलपर्व (2) कुन्तीपर्व (3) शान्तिपर्व (4) उद्योगपर्व

Downloaded from www.cclchapter.com

94. कौटिलीयार्थशास्त्रे सर्वविद्यानां प्रदीप: सर्वकर्मणाम् उपाय:, सर्वधर्माणामाश्रय: भवति –

(1) आन्वीक्षिकी (2) त्रयी (3) वार्त्ता (4) दण्डनीति:

95. मनुसंहितानुसारं राज्ञ: सचिवानां संख्या भवति –

(1) 10 - 12 (2) 7 - 8 (3) 3 - 4 (4) 5 - 6

96. ''तमसा बहुरूपेण वेष्टिता: कर्महेतुना।

अन्त:संज्ञा भवन्त्येते सुखदु:खसमन्विता: ।।''

इति मनुवचनं केन सम्बद्धम्?

(1) उद्भिदेन (2) अण्डजेन (3) जरायुजेन (4) स्वेदजेन

97. श्रीमद्भगवद्गीतायां कर्मयोग: कतमोऽध्याय:?

(1) द्वितीयोऽध्याय: (2) तृतीयोऽध्याय: (3) चतुर्थोऽध्याय: (4) पञ्चमोऽध्याय:

98. ''एपिग्रेफिया इंडिका' इति पत्रिकाया: प्रकाशनम् केन प्रारब्धम्?

(1) जेम्स प्रिंसेपमहोदयेन (2) सर विलियमजोंसमहोदयेन

(3) जे. बर्जेसमहोदयेन (4) कीलहार्नमहोदयेन

99. 'धम्मलिपी' नाम कस्य लेखेषु प्राप्यते?

(1) अशोकस्य (2) समुद्रगुप्तस्य (3) खारवेलस्य (4) कनिष्कस्य

100. भारतवर्षे दानलेखानाम् उत्कीर्णनं बाहुल्येन कस्मिन् धातौ कृतम्?

(1) लौहधातौ (2) ताम्रधातौ (3) रजतधातौ (4) स्वर्णधातौ

- o O o -

Downloaded from www.cclchapter.com

Space For Rough Work

Downloaded from www.cclchapter.com